2018–19 सत्र से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (षष्ठसत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – वेद एवं वैदिकसाहित्य–परिचय

पूर्णांक– 75 (55+20)

1–वेद – 35 अंक

अ– ऋग्वेद – अग्निसूक्त 1/1, अक्षसूक्त 10/34 विष्णुसूक्त 1/154।

ब– यजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त।

स– अथर्ववेद –पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मंत्र पर्यन्तं

2–वैदिक साहित्य–परिचय – 20 अंक

अ– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, परिचय।

ब– वेदांग परिचय।

स– ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषद् परिचय।

सहायक पुस्तकें –

1– वैदिक सूक्त चयनिका – डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी

2– वैदिक सूक्त संकलन – विजय शंकर पाण्डे

3– वैदिक सूक्त संग्रह – अयोध्याप्रसाद सिंह

4– वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ0 कर्णसिंह

5– वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप – डॉ0 ओमप्रकाश पाण्डे

अंकविभाजन

1	वेदों से किन्हीं दो सूक्तों की व्याख्या	2×10 = 20 अंक
2	पाठ्यगत किसी एक सूक्त अथवा देवता का परिचय	10 अंक
3	वैदिक साहित्य से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
4	वैदिक साहित्य से एक टिप्पणी	05 अंक
5	वेद तथा वैदिक साहित्य से 05– 05 वैकल्पिक प्रश्न	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**

2018–19 सत्र से प्रभावी

स्नातक(बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (षष्ठसत्रार्द्ध / सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र – कठोपनिषद् एवं पुराण–परिचय

पूर्णांक– 75 (55+20)

1–कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) 35 अंक

2–पुराण परिचय :– निम्नलिखित पुराणों का सामान्य परिचय – 20 अंक

विष्णुपुराण, वायुपुराण, भागवत्पुराण, मार्कण्डेयपुराण, वराहपुराण, वामनपुराण, कूर्मपुराण, मत्स्य, एवं गरुड पुराण।

सहायक पुस्तकें :–

1–कठोपनिषद् – डॉ0 कीर्त्यानन्द झा

2–कठोपनिषद् प्रथम भाग – महेश अनुसन्धान संस्थान, वाराणसी

3–कठोपनिषद् – डॉ0 सुरेन्द्रदेव शास्त्री

4–प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास – डॉ0 निरंजनसिंह योगमणि

5–अष्टादश पुराणदर्पण – पं0 ज्वाला प्रसाद मिश्र

अंकविभाजन

1	कठोपनिषद् से दो श्लोकों की व्याख्या	2×10 = 20 अंक
2	कठोपनिषद् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
3	पाठ्यगत पुराणों में से किसी एक पुराण का सामान्य परिचय	10 अंक
4	पाठ्यगत पुराणों में से किसी एक पुराण पर टिप्पणी	05 अंक
5	वैकल्पिक प्रश्न (05 प्रश्न कठोपनिषद् से 05 प्रश्न पुराणों के सम्बन्ध में)	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**